21वीं सदी में एक कमरे वाले स्कूल

आलेख एवं फोटो: नीना एलिस

© क्रिएटिव कॉमन्स

अमेरिका में एक कमरे वाले स्कूल तेज़ी से कम हो रहे हैं। हालांकि इनमें बच्चों पर निजी तौर पर ध्यान दिया जाता है और ये समुदायों को आपस में जोड़ते भी हैं।

लाखों अमेरिकियों को अब भी सुबह-सुबह बस्ता लादे अपनी एक कमरे की देहाती पाठशाला की ओर चले जाना याद होगा। सौ साल पहले जब अमेरिका एक कृषिप्रधान देश था, तो यहां लगभग 2,00,000 एक कमरे वाली पाठशालाएं थीं- सार्वजनिक संसाधनों के बूते चलने वाली इन शालाओं में एक ही अध्यापिका सभी कक्षाओं को सभी विषय पढ़ाती थी। आज इनकी संख्या 400 से भी कम रह गई है और ये तेज़ी से कम हो रही हैं।

अन्य राज्यों की तुलना में मोंटाना में सबसे अधिक एक कमरे वाली पाठशालाएं हैं- लगभग सौ। मीघर काउंटी के खुले मैदान में रोज सुबह चार छात्र सफेद रंग से पुती लेनेप एलिमेंटरी पाठशाला के सामने अमेरिकी झंडा फहराते हैं। उनकी अध्यापिका बार्ब नोलन पाठशाला के दिन की शुरुआत स्थानीय साप्ताहिक अखबार पढ़ने से करती हैं जिसमें यह खबर भी छपती है कि कौन अपने रिश्तेदारों से मिलने शहर गया है। इसके बाद चौथी कक्षा के दो और पांचवी कक्षा का एक छात्र अपनी-अपनी पढ़ाई में जुट जाते हैं जबकि किंडरगार्टन का पांच वर्षीय छात्र टायलर बोल-बोल कर पढ़ रहा है। अध्यापिका

लेनेप, मोंटाना में अपने एक कमरे वाले स्कूल के बाहर जैनिस निकोलस (पिच करते हुए) और टाइलर हेरिम (बैटिंग करते हुए) पढ़ाई के बीच अंतराल के दौरान बेसबाल खेलते हुए।

बार्ब को गर्व है कि टायलर इतनी जल्दी पढ़ना सीख गया है। उनके सभी छात्र ज़्यादातर विषयों में अपनी कक्षा के स्तर से काफी आगे चल रहे हैं।

बार्ब बताती हैं, ''मैं उन्हें कोई पाठ पढ़ाती हूं तो वे तुरंत सीख लेते हैं। इसलिए पाठों को दोहराने की ज़्यादा ज़रूरत नहीं होती। हम अगला पाठ पढ़ने लगते हैं। लेकिन अगर तीस बच्चे होते तो उनमें से कुछ तुरंत पाठ नहीं सीख पाते और फिर हमें अपनी रफ़्तार कम करनी पड़ती। छोटी पाठशाला में उनकी शैक्षिक उपलब्धि का स्तर बढ़ा है।''

मोंटाना में देहाती छात्रों का प्रदर्शन शहराती छात्रों से बेहतर रहता है लेकिन लोग काम की तलाश में शहरों की ओर जा रहे हैं और एक कमरे की पाठशालाएं राज्य में तेज़ी से कम हो रही हैं जैसे कि पूरे पश्चिमी और मध्य-पश्चिमी राज्यों में हो रही हैं।

सियॅक्स काउंटी, नेब्रास्का के ग्लेन स्कूल में कुल तीन बच्चे हैं। वसन्त की

एक गर्म दोपहर वे अपनी अध्यापक मोनी हूर्ट के साथ पास के एक दर्रे की सैर पर निकले हैं- वे लठ्ठों और डंडियों से बनाए उस किले की ओर बढ़ रहे हैं जिसे बनाने की प्रेरणा उन्हें पाठशाला में पढ़े एक उपन्यास से मिली थी। छात्रों की संख्या बहुत कम होने के कारण अध्यापिका राज्य द्वारा नियत ढेरों शैक्षणिक मानकों की शर्तों को पूरा करते हुए भी बच्चों को उनकी रुचियों के अनुरूप काम करने की छूट दे पाती हैं। वह बताती हैं कि इसका परिणाम यह है कि आत्मविश्वास से भरे ये बच्चे खुद को और अपनी जड़-जमीन को जानते हैं।

24 किलोमीटर दूर स्थित एक दूसरी एक कमरे वाली पाठशाला में अध्यापिका टारा डन सात छात्रों को पढ़ाती हैं। आज सुबह वह दूसरी कक्षा के छात्र काइल को लेकर बैठी हैं।

''24 में से तीन गए तो कितने बचे?'' टारा पूछती हैं।

''चौबीस,'' काइल बिना झिझके जवाब देता है।

''चौबीस में से तीन गए तो कितने बचे? चौबीस में से?''

''दस!'' काइल कहता है।

''एक सैंकिंड रुको।'' वह नरमी से कहती हैं।

काइल खीझ जाता है।

''काइल जब भी मैं तुम्हें कुछ नया सिखाती हूं तो मुझे पता चल जाता है। क्या ऐसा नहीं है?'' टारा पूछती हैं। ''मुझे कैसे पता चल जाता है?''

''मैं पागल हूं।''

''हां तुम चिड़चिड़ा जाते हो।'' टारा नरमी से मुस्कुराती हैं। काइल शांत होकर फिर से अपना पाठ सीखने में जुट जाता है।

काइल ने अब तक शिक्षक के रूप में सिर्फ टारा से पढ़ना सीखा है। वह उसके मिजाज को बहुत अच्छी तरह समझती हैं। वह उसे छह साल और पढ़ा सकती थीं लेकिन राज्य विधानदल में छोटी पाठशालाओं पर आने वाली ज़्यादा लागत को देखते हुए उन्हें चलते रहने देने को लेकर हुई जबर्दस्त बहस के बाद नेब्रास्का में एक कमरे की बहुत-सी पाठशालाएं बंद होने के कगार पर हैं।

अमेरिका के उत्तर-पूर्वी छोर पर न्यू इंग्लैंड क्षेत्र में तो एक कमरे की पाठशालाएं और भी कम बची हैं। न्यू हैम्पशायर राज्य में 1780 से चल रहे, लाल ईंटों से बने क्रॉयडन विलेज स्कूल सहित एक कमरे की तीन पाठशालाएं बची हैं। अध्यापिका लिन टूशेट पहली से तीसरी कक्षा तक के सभी बच्चों को पढ़ाती हैं। उन्हें अपनी नौकरी बहुत पसंद है क्योंकि कस्बा और पाठशाला जैसे एक-दूसरे से गुंथे हैं। ''हमारे यहां अभिभावक रात्रि पर हर बच्चे के माता-पिता आते हैं, कभी-कभी तो माता-पिता, दादा-दादी, नाना-नानी और ढेरों चचेरे-ममेरे, मौसेरे-फुफेरे भाई-बहन भी आते हैं- बस उत्सव जैसा नज़ारा होता है। इससे बच्चों को बहुत अच्छी तरह यह बात समझ में आ जाती है कि वे जो कर रहे हैं, वह सब कितना महत्वपूर्ण है। परिवार में हर कोई उन्हें देखने आता है जो उन्हें मेरे द्वारा सौ बार यह बताने से बेहतर है कि उनकी शिक्षा कितनी महत्वपूर्ण है।''

कैरॅल मार्श के परिवार की चार पीढ़ियां क्रॉयडन विलेज स्कूल में पढ़ी हैं और वह खुद स्कूल बोर्ड की सदस्य हैं। वह कहती हैं, ''छात्रों का एक-दूसरे से, अध्यापिका से, गहरा लगाव है जो जीवनभर बना रहता है- यह नींव उनकी हर सफलता में झलकती है।''

हर साल क्रॉयडन के लोग अपनी ग्रामसभा में पाठशाला को बनाए रखने के पक्ष में मतदान करते हैं लेकिन अब इसका भविष्य अनिश्चित है। इसलिए नहीं कि पश्चिमी और मध्य-पश्चिमी राज्यों की तरह यहां जनसंख्या कम हो रही है बल्कि इसलिए कि क्रॉयडन कृषि गांव से फलता-फूलता उपनगर बनने की राह पर है और कोई नहीं जानता कि नए आने वाले लोग पाठशाला को बनाए रखने की परंपरा से सहमत होंगे या नहीं।

दूर स्थित अमेरिकी राज्य हवाई की आखिरी एक कमरे वाली पाठशाला 96 साल बाद वर्ष 2005 में बंद हो गई। मॉई द्वीप के उत्तरी छोर पर स्थित कीनी गांव में पाठशाला जाने की आयु के कुल तीन ही बच्चे बचे थे। पाठशाला की अंतिम अध्यापिका फ्लॉरेंस हैरॅल्ड मुझे पाठशाला दिखाने ले गईं।

''जरा ये किताबें देखिए। जब मैंने यहां पढ़ाना शुरू किया तो सब तरफ किताबें ही किताबें फैली थीं। मैंने कहा- इन पुरानी किताबों को यहां से हटा

बाएं: ग्लेन, नेब्रास्का में ग्लेन स्कूल में ल्यूक प्रॉसर अपनी पढ़ाई में जुटा है जबकि उसका कुत्ता बुच आराम कर रहा है।

ऊपर: 1964 में केंटकी में खींची गई इस तस्वीर में पहली से छठी कक्षा के बच्चे अपने एक कमरे वाले स्कूल के बाहर खेल रहे हैं। स्कूल में रोशनी के लिए बिजली की व्यवस्था तो थी लेकिन पानी नहीं था।

© यूनि-इमेज़ेस यूके

देते हैं। लेकिन बच्चों के मां-बाप अड़ गए- यह नहीं हो सकता। ये किताबें तो हमारे दादा-नानाओं ने पढ़ी हैं।''

कीनी हवाई के मूल निवासियों का आखिरी गांव है, अपनी परंपरा को बनाए रखने के आग्रही यहां के लोगों ने पाठशाला को बनाए रखने के लिए काफी संघर्ष किया लेकिन पाठशाला के मुख्याध्यापक ने कहा कि उन्हें जिले की उस शाला में पढ़ाने जाना ही होगा जो लगातार संघीय मानकों पर असफल सिद्ध हो रही है।

इसलिए अब कीनी गांव के बच्चे स्कूल बस से उस दूसरे स्कूल में पढ़ने जाते हैं। तंग पहाड़ी सड़क पर एक घंटा स्कूल से गांव लौटने में लगता है। उनके माता-पिता और जेनेट रेडो जैसी दादा-नानियां चाहते हैं कि गांव की पाठशाला फिर से खुल जाए। वह बताती हैं, ''मेरे पिताजी हमेशा कहते थे कि पाठशाला के बिना कोई गांव पूरा नहीं होता, पाठशाला को बंद मत होने देना, उसे चलाते रहने के लिए लड़ना।''

अमेरिका भर में सार्वजनिक संसाधनों से संचालित एक कमरे वाली पाठशालाएं खत्म होने के कगार पर हैं लेकिन उसके मूल्य समयसीमा से नहीं बंधे हैं- माता-पिता हों या शिक्षाविद् सभी छोटी-छोटी कक्षाओं, सहपाठियों से पढ़ने और उन्हें पढ़ाने और एक ही अध्यापक से जुड़े रहने से छात्रों को होने वाले लाभों की तारीफ करते नहीं अघाते। लोग तो यहां तक कहते हैं कि ये छोटी-छोटी, दूरदराज़ इलाकों में बिखरी पाठशालाएं बच्चों को सांस्कृतिक विविधता के दर्शन भले ही न करा पाएं, समुदाय से उनका जुड़ाव जरूर सुनिश्चित कर देती हैं।

गल्फ़ ऑफ़ मेन में मॉनहेगन द्वीप लगभग दो सदी से जैसे का तैसा है और यही आकर्षण गर्मियों में पर्यटकों को यहां खींच लाता है। सर्दियों में इस द्वीप की जनसंख्या 50 तक रह जाती है। लेकिन पहाड़ी पर बनी अपनी पाठशाला से मॉनहेगन के छह छात्र झींगे पकड़ने वाली नावों के आने-जाने की आवाजें तब भी सुन पाते हैं।

मेन राज्य ऐसी शालाओं को चलाते रहने का इच्छुक भले ही न हो, द्वीप के वासी पाठशाला के बने रहने के घोर समर्थक हैं- लोग अपने बच्चों को खुद नहीं पढ़ा पाएंगे और वे छोटे-छोटे बच्चों को मुख्यभूमि के बोर्डिंग स्कूलों में भी नहीं भेजना चाहते। पाठशाला न रही तो जाड़ों में द्वीप निर्जन रह जाएगा। पाठशाला द्वीप की जान है।

दिसंबर की तीखी हवा भरी रात में भी द्वीप के सब लोग पाठशाला की क्रिसमस की नाट्य प्रस्तुति देखने आते हैं। उसके बाद परंपरागत त्यौहारी व्यंजनों और क्रिसमस के गीतों का दौर चलता है, सांता क्लॉस का स्वागत होता है; एक कमरे वाली पाठशाला रोशनी और हंसी-खुशी से छलक उठती है। कई पीढ़ियों से इस दृश्य में बदलाव नहीं आया है।

नीचे: वायोमिंग के केंटकी फ़ोर्क स्कूल में 1964 में पी. जे. विलियमसन 14 बच्चों को पढ़ना, लिखना, गणित और अन्य विषय सिखाते थे। यह स्कूल एक से आठवीं कक्षा के बच्चों के लिए था।

बिल्कुल नीचे: सियॅक्स काउंटी, नेब्रास्का का ग्लेन स्कूल।

टॉमी मैसर्स © ए.पी. - डब्ल्यू डब्ल्यू पी.

***नीना एलिस** मैरीलैंड में लेखक, फोटोग्राफर और वृत्तचित्र निर्माता हैं। उनकी एक कमरे वाली पाठशाला की वेबसाइट www.theoneroomschool.org है।*